

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत

एम.ए. हिंदी

सेमेस्टर-3

(जून- 2012 -13 एवम् 2013 -14 के शैक्षिक वर्षों के लिए)

भाग – २

प्रश्नपत्र -11 भाषा -विज्ञान

Core Course-07

प्रस्तावना- साहित्य के गंभीर अध्ययन के लिए भाषिक व्यवस्था का ज्ञान अनिवार्य है। भाषा की वस्तुनिष्ठ अध्ययन प्रणाली के रूप में भाषिक इकाइयों तथा भाषा-संरचना के विभिन्न स्तरों पर उनके अंतःसंबंधों के विन्यास को भाषा-विज्ञान आलोचित ही नहीं करता, वरन् अध्येता को भाषिक अंतर्दृष्टि तथा भाषा-विषयक विवेचन के लिए एक भाषा भी प्रदान करता है। भाषा के साहित्येतर रूपों के अध्ययन में भी भाषा-विज्ञान की महती भूमिका है।

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

ईकाई-1 भाषा और भाषा -विज्ञान -भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषा-व्यवस्था और भाषा-व्यवहार, भाषा-

संरचना और भाषिक -प्रकार्य. भाषा- विज्ञान-स्वरूप एवम् व्याप्ति, अध्ययन की दिशाएँ वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक।

ईकाई-2 स्वनप्रक्रिया - स्वन विज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ, वागवयव और उनके कार्य, स्वन की अवधारणा और स्वनों का वर्गीकरण, स्वनगुण,स्वनिक परिवर्तन, स्वनिम विज्ञान का स्वरूप, स्वनिम की अवधारणा, स्वनिम के भेद, स्वनिम विश्लेषण।

ईकाई-3 व्याकरण- रूपप्रक्रिया का स्वरूप और शाखाएँ, रूपिम की अवधारणा और भेद-मुक्त-आबद्ध, अर्थदर्शी और संबंधदर्शी, संबंधदर्शी रूपिम के भेद और प्रकार्य. वाक्य की अवधारणा, अभिहितान्वयवाद और अन्विताभिधानवाद, वाक्य के भेद, वाक्य-विश्लेषण, निकटस्थ-अवयव विश्लेषण, गहन-संरचना और बाह्य-संरचना।

ईकाई-4 अर्थविज्ञान -अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, पर्यायता, अनेकार्थता, विलोमता, अर्थ-परिवर्तन।

साहित्य और भाषा -विज्ञान -साहित्य के अध्ययन में भाषा-विज्ञान के अंगों की उपयोगिता।

अंक विभाजन:

3 आलोचनात्मक प्रश्न- ईकाई -1, 3 और 4 से, एक-एक (52 अंक)

1 प्रश्न टिप्पणी का- ईकाई -2 से (दो टिप्पणियाँ) (18 अंक)

संदर्भ पुस्तकें-

1. भाषा-विज्ञान-डॉ.भोलानाथ तिवारी (किताब महल, इलाहाबाद)
 2. भाषा-विज्ञान की भूमिका-देवेन्द्रनाथ शर्मा (राधाकृष्ण प्रकाशन)
 3. भाषा-विज्ञान-श्यामसुंदर दास (अनु प्रकाशन, जयपुर)
 4. सामान्य भाषा-विज्ञान-डॉ.बाबूराम सक्सेना (हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)
 5. भाषा-विज्ञान एवम् भाषा-शास्त्र-डॉ.कपिलदेव द्विवेदी (विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी)
 6. भाषा-विज्ञान-सैद्धांतिक चिंतन- रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
 7. समसामयिक भाषा- विज्ञान-डॉ.कविता रस्तोगी (सुलभ प्रकाशन, लखनऊ)
 8. भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा का स्वरूप विकास-डॉ.देवेन्द्रप्रसाद सिंह (जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
-

प्रश्नपत्र - 12 हिंदी साहित्य का इतिहास

Core Course-08

प्रस्तावना- आठवीं-नवीं शताब्दी से लेकर आज तक के हिंदी के विकास परिदृश्य के साथ उसकी सर्जनात्मकता के विविध रूपों, प्रवृत्तियों और भाषा-शैलियों का ज्ञान हिंदी साहित्य के इतिहास के द्वारा ही दिया जा सकता है। अतः हिंदी साहित्य के इतिहास का अध्ययन सर्वथा योग्य एवम् आवश्यक है।

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

ईकाई-1

1. इतिहास-दर्शन और साहित्येतिहास
2. हिंदी साहित्य के इतिहास की लेखन परंपरा, आधारभूत सामग्री और साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ।
3. हिंदी साहित्य का इतिहास- काल-विभाजन, सीमा-निर्धारण और नामकरण।

ईकाई-2

4. हिंदी साहित्य-आदिकाल की पृष्ठभूमि, सिद्ध और नाथ साहित्य, रासो-काव्य, जैन-साहित्य।
5. हिंदी साहित्य के आदिकाल का ऐतिहासिक परिदृश्य, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, काव्य-धाराएँ, गद्य साहित्य, प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएँ।

ईकाई-3

6. भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक-चेतना एवम् भक्ति-आंदोलन, विभिन्न काव्य-धाराएँ तथा उनका वैशिष्ट्य।
7. प्रमुख निर्गुण संत कवि और उनका अवदान।
8. भारत में सूफी मत का विकास तथा प्रमुख सूफी कवि और काव्य-ग्रंथ, सूफी काव्य में भारतीय संस्कृति एवम् लोक-जीवन के तत्व।
9. राम और कृष्ण-काव्य, राम-कृष्ण-काव्येतर काव्य, भक्तिर काव्य, प्रमुख कवि और उनका रचनागत वैशिष्ट्य. भक्तिकालीन गद्य-साहित्य।

ईकाई-4

10. उत्तर मध्यकाल(रीतिकाल)की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, काल-सीमा और नामकरण, दरबारी संस्कृति और लक्षण-ग्रंथों की परंपरा, रीति कालीन साहित्य की विभिन्न धाराएँ (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त), प्रवृत्तियाँ और विशेषताएँ, प्रतिनिधि रचनाकार और रचनाएँ, रीतिकालीन गद्य साहित्य।

अंक विभाजन:

3 आलोचनात्मक प्रश्न- ईकाई-1-2 से एक और 3 और 4 से एक-एक (52 अंक)

1 प्रश्न टिप्पणी का- सभी ईकाईयों से –(दो टिप्पणियाँ) (18 अंक)

संदर्भ पुस्तकें-

1. हिंदी साहित्य का आदिकाल-डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी (वाणी प्रकाशन, इलाहाबाद)
2. हिंदी के विकास में अपभ्रंश का योग-डॉ. नामवर सिंह
3. हिंदी साहित्य का अतीत-भाग-१-२-आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
4. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास-डॉ. बच्चन सिंह
5. हिंदी साहित्य का इतिहास-आचार्य रामचंद्र शुक्ल (नागरी पचारिणी सभा, वाराणसी)
6. हिंदी साहित्य का इतिहास डॉ. नगेन्द्र (नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली)
7. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ-डॉ. नामवर सिंह (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
8. हिंदी साहित्य-उद्भव और विकास-डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
9. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास-1 डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
10. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास-डॉ. रामकुमार वर्मा (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
11. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ-डॉ. जयकिशन प्रसाद खंडेलवाल (विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा)
12. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास-डॉ. बच्चन सिंह (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
13. हिंदी साहित्य का इतिहास-डॉ. लक्ष्मीसागर वाण्येय (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
14. हिंदी का गद्य-साहित्य-डॉ. रामचंद्र तिवारी
15. हिंदी गद्य का विकास-डॉ. प्रसाद
16. दक्खिनी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास-डॉ. इकबाल अहमद (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
17. उर्दू साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास-प्रो. एहतेशाम हुसैन

प्रस्तावना- भारतीय भाषाओं में हिंदी सर्वोपरि है। इसलिए हिंदी साहित्याध्ययन को अधिक गंभीर बनाना जरूरी है। भारतीय साहित्य की रूप-रचना के लिए हिंदी का भारतीय संदर्भ सर्वथा प्रासंगिक है। इस दृष्टि से छात्रों के लिए भारतीय भाषाओं के साहित्य का ज्ञान अनिवार्य है। इससे उनके ज्ञान एवम् सांस्कृतिक दृष्टि में अभिवृद्धि होगी।

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

ईकाई-1 भारतीय साहित्य

1. भारतीय साहित्य का स्वरूप।
2. भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ।
3. भारतीयता का समाजशास्त्र।

ईकाई-2 भारतीय साहित्य की समस्याएँ

4. भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिंब।
5. हिंदी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति।

ईकाई-3 अग्निगर्भ-महाश्वेता देवी (बंगाली उपन्यास) राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

महाश्वेता देवी: औपन्यासिक यात्रा का परिचय।

बंगाली उपन्यास साहित्य में महाश्वेता देवी का स्थान।

‘अग्निगर्भ’ का मूल प्रतिपाद्य।

‘अग्निगर्भ’ की पात्र-सृष्टि।

‘अग्निगर्भ’ में चित्रित बंगाल का आदिवासी जीवन एवम् बंगाली संस्कृति।

‘अग्निगर्भ’ में लेखिका का वैचारिक दृष्टिकोण।

ईकाई-4 गोधूलि-एस.एल.भैरप्पा (कन्नड़ उपन्यास)

भैरप्पा - व्यक्तित्व और कृतित्व।

‘गोधूलि’: एक भारतीय उपन्यास।

‘गोधूलि’ का केन्द्रीय विषय।

‘गोधूलि’ में संवाद-योजना, वातावरण, शीर्षक और उद्देश्य।

'गोधूलि' के पात्र।

'गोधूलि' में भैरप्पा की विचारधारा।

अंक विभाजन:

3 आलोचनात्मक प्रश्न- ईकाई-1-2 से एक और 3 और 4 से एक-एक (52 अंक)

1 प्रश्न टिप्पणी का- ईकाई- 3 और 4 से -(दोनों ईकाईयों से एक-एक) (18 अंक)

संदर्भ पुस्तकें-

1. भारतीय साहित्य-डॉ.नगेन्द्र (प्रभात प्रकाशन, दिल्ली)
2. भारतीय साहित्य की भूमिका-डॉ.रामविलास शर्मा (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
3. भारतीय उपन्यास की अवधारणा और रघुवीर चौधरी का सृजन-संपा.आलोक गुप्त (पाश्व प्रकाशन, अहमदाबाद)
4. भारतीय साहित्य:स्थापनाएँ और प्रस्तावनाएँ-के.सच्चिदानंद (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
5. भारतीय साहित्य: आशा और आस्था-डॉ.आरसु (राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)
6. गुजराती नवलकथा-रघुवीर चौधरी एवम् राधेश्याम शर्मा (गुजरात ग्रंथ निर्माण बोर्ड, गांधीनगर)
7. भारतीय साहित्य: तुलनात्मक अध्ययन-सं.डॉ.ब्रजेश्वर वर्मा (विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा)
8. भारतीय उपन्यास परंपरा और ग्रामकेन्द्री उपन्यास- भोलाभाई पटेल (पाश्व प्रकाशन, अहमदाबाद)
9. भारतीय साहित्य- डॉ.पाण्डेय-डॉ.अवस्थी (आशीष प्रकाशन, कानपुर)
10. बंगला साहित्य का इतिहास, भारतीय साहित्य अकादमी, दिल्ली

प्रश्नपत्र - 14 आधुनिक गद्य साहित्य

Elective Course-03

प्रस्तावना- आधुनिक काल में गद्य साहित्य के विविध रूपों का विकास इस बात का साक्षी है कि प्रौढ मन की पूर्ण अभिव्यक्ति गद्य ही में संभव है। निबंध, नाटक, उपन्यास, कहानी तथा अन्य विविध विधाओं के रूप में गद्य साहित्य का विकास तेजी से हुआ है। मनुष्य को उसकी प्रकृति, परिवेश, परिस्थिति तथा चिंतन की विकास प्रक्रिया के साथ प्रामाणिक रूप में गद्य के माध्यम से ही जाना जा सकता है। अतः इसका अध्ययन अनिवार्य है।

1. आषाढ का एक दिन-मोहन राकेश (राजपाल एण्ड सन्ज़, दिल्ली)
2. मैला आँचल-फणीश्वरनाथ रेणु (प्रकाशक-राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

ईकाई-1 प्रसादयुगीन नाट्य-साहित्य।

स्वातंत्र्योत्तर हिंदी नाटक- नया नाटक।

ईकाई-2 आँचलिक उपन्यास: उद्भव और विकास तथा विशेषताएँ।

ईकाई-3 आषाढ का एक दिन

नाटककार मोहन राकेश: सामान्य परिचय।

'आषाढ का एक दिन': वस्तु-विन्यास।

'आषाढ का एक दिन': में इतिहास और कल्पना।

'आषाढ का एक दिन': प्रतिपाद्य।

'आषाढ का एक दिन': तात्विक विश्लेषण।

रंगमंचीयता और 'आषाढ का एक दिन'

ईकाई-4 मैला आँचल

रेणु: साहित्यिक परिचय

आँचलिकता और मैला आँचल

'मैला आँचल': कथा-योजना।

'मैला आँचल' की पात्र-सृष्टि।

'मैला आँचल' में सामाजिक, राजनीतिक एवम् सांस्कृतिक-चेतना।

'मैला आँचल' में अभिव्यक्त लोक-संस्कृति।

'मैला आँचल' की कथा-भाषा और किस्सागो शैली।

अंक विभाजन:

3 आलोचनात्मक प्रश्न-ईकाई 1-2 से एक, ईकाई-3 और 4 से एक-एक से (52 अंक)

1 प्रश्न टिप्पणी व ससंदर्भ व्याख्या का (हरेक पुस्तक से एक-एक) ईकाई 3 और 4 पर आधारित (18 अंक)

संदर्भ पुस्तकें-

1. हिंदी नाटक: उद्भव और विकास-डॉ.दशरथ ओझा (राजपाल एण्ड सन्ज़, दिल्ली)
2. हिंदी के आँचलिक उपन्यास-संपा.डॉ.रामदरश मिश्र (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
3. आँचलिक उपन्यास-संवेदना और शिल्प-डॉ.ज्ञानचंद्र गुप्त (अभिनव प्रकाशन, दिल्ली)
4. हिंदी उपन्यास-डॉ.सुरेश सिहा (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
5. आधुनिकता और हिंदी उपन्यास-डॉ.इंद्रनाथ मदान (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
6. हिंदी उपन्यास-एक अंतर्यात्रा-डॉ.रामदरश मिश्र (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
7. हिंदी नाटक-डॉ.बच्चन सिंह (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

8. अठारह उपन्यास-राजेन्द्र यादव (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
9. मोहन राकेश और उनके नाटक-डॉ. गिरीश रस्तोगी (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
10. आधुनिक नाटक का अग्रदूत मोहन राकेश-गोविन्द चातक (राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली)
11. मोहन राकेश: रंग शिल्प और प्रदर्शन-जयदेव तनेजा (राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली)

अथवा

प्रश्नपत्र - 14 हिंदी उपन्यास

Elective Course-03

प्रस्तावना- हिंदी गद्य विधाओं में उपन्यास सबसे अधिक विकसित व लोकप्रिय है। आज तो उसने शास्त्र का रूप धारण कर लिया है। अतः इस विधा का गहन अध्ययन अनिवार्य है।

1. गोदान-प्रेमचंद
2. त्यागपत्र-जैनेन्द्रकुमार (पूर्वोदय प्रकाशन, दिल्ली)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

ईकाई-1 प्रेमचंदयुगीन हिंदी उपन्यास।

ईकाई-2 हिंदी के मनोवैज्ञानिक उपन्यास।

ईकाई-3 गोदान

प्रेमचंद: परिचय

'गोदान' किसान-जीवन की महागाथा।

'गोदान': एक रोमांच रहित त्रासदी।

'गोदान' की ग्रामेतर कथा

'गोदान' का कथा-शिल्प।

'गोदान' के पात्र, संवाद, वातावरण, भाषा-शैली, उद्देश्य और शीर्षक।

प्रेमचंद की उपन्यास-कला।

ईकाई-4 त्यागपत्र

उपन्यासकार जैनेन्द्रकुमार: सामान्य परिचय

'त्यागपत्र' एक मनोवैज्ञानिक उपन्यास।

त्यागपत्र में सामाजिक चेतना

'त्यागपत्र': वस्तु-विन्यास।

'त्यागपत्र': पात्र-सृष्टि।

'त्यागपत्र': उद्देश्य और शीर्षक।

अंक विभाजन:

3 आलोचनात्मक प्रश्न-ईकाई1 -2 से एक, ईकाई-3 और 4 से एक-एक से (52 अंक)

1 प्रश्न टिप्पणी व संदर्भ व्याख्या का (हरेक पुस्तक से एक-एक) ईकाई 3 और 4 पर आधारित (18 अंक)

संदर्भ पुस्तकें-

1. आज का हिंदी उपन्यास-डॉ.इंद्रनाथ मदान (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
2. हिंदी उपन्यास-एक अंतर्यात्रा-डॉ.रामदरश मिश्र (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
3. हिंदी उपन्यास-डॉ.सुषमा धवन (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
4. हिंदी उपन्यास की प्रवृत्तियाँ-डॉ.शशिभूषण सिंहल (विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा)
5. हिंदी उपन्यास: उपलब्धियाँ-डॉ.लक्ष्मीसागर वाष्णेय (राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली)
6. आधुनिकता और हिंदी उपन्यास-डॉ.इंद्रनाथ मदान (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
7. हिंदी उपन्यास का इतिहास-गोपाल राय (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
8. गोदान-नया परिपेक्ष्य-गोपाल राय 9अनुपम प्रकाशन, पटना-4)
9. प्रेमचंद की विरा,त और गोदान-शिवकुमार मिश्र (राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)
10. जैनेन्द्र के उपन्यास-परमानंद श्रीवास्तव (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

प्रश्नपत्र - 15 लोक-साहित्य

Multi Disciplinary Course-03

लोक-साहित्य के संकलन, संपादन, सर्वेक्षण, प्रकाशन द्वारा ही हम अपनी मूल संस्कृति का संरक्षण कर सकते हैं। गुजरात प्रदेश भी अपनी संस्कृति की विविधताओं से भरा है। अतः इसकी उपयोगिता निर्विवाद है।

ईकाई-1 लोक-संस्कृति: अवधारणा, लोक-वार्ता और लोक-संस्कृति, लोक-संस्कृति और साहित्य।

लोक-साहित्य: अवधारणा, संस्कृत वाङ्मय में लोकोन्मुखता।

वर्तमान अभिजात साहित्य और लोक-साहित्य का अंतःसंबंध।

लोक-साहित्य का अन्य सामाजिक विज्ञानों से संबंध।

भारत में लोक-साहित्य के अध्ययन का इतिहास।

लोक-साहित्य की अध्ययन प्रक्रिया एवम् संकलन की समस्याएँ।

ईकाई-2

लोक-साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरण: लोक-गीत, लोक-नाट्य, लोक-कथा, लोक-गाथा, लोक-नृत्य-नाट्य, लोक-संगीत।

लोक-गीत: संस्कार-गीत, व्रत-गीत, श्रम-गीत, ऋतु-गीत, जाति-गीत।

लोक-नाट्य: रामलीला, रासलीला, कीर्तनियाँ, स्वाँग, यक्षगान, भवाई संपेडा, विदेसिया, माच, भाँड़, तमाशा, नौटंकी, जात्र, कथकली।

ईकाई-3

लोक-कथा: व्रत-कथा, परी-कथा, नाग-कथा, बोध-कथा, कथानक-रूढियाँ अथवा अभिप्राय।

लोक-गाथा: ढोलामारू, गोपीचंद भरथरी, नल-दमयंती, लैला-मंजूनूँ, हीर-राँझा, सोहनी-महीवाल, लोरिक-चंदा, आल्हा-हरदौल।

लोक-संगीत: लोकवाद्य तथा विशिष्ट धूर्तों।

लोक-भाषा: लोक-सुभाषित, मुहावरे, कहावतें, पहेलियाँ।

ईकाई-4

दक्षिणी गुजरात की किसी एक बोली के लोक-साहित्य का संकलन व अध्ययन।

अंक-विभाजन-

2 आलोचनात्मक प्रश्न-ईकाई-1 और 2 से एक-एक (35 अंक)

1 प्रश्न टिप्पणी का-ईकाई-3 पर आधारित (17 अंक)

प्रायोगिक कार्य - ईकाई-4 के अनुसार (18 अंक)

संदर्भ पुस्तकें-

1. लोक: परंपरा, पहचान और प्रवाह (राधाकृष्ण प्रकाशन)
2. रामलीला: परंपरा और शैलियाँ (राधाकृष्ण प्रकाशन)
3. भारतीय लोक-साहित्य- श्याम परमार (राजकमल प्रकाशन)
4. बेला फूले आधी रात-देवेन्द्र सत्यार्थी
5. भोजपुरी लोक-साहित्य का अध्ययन-डॉ.कृष्णदेव उपाध्याय
6. लोकसाहित्य की भूमिका- डॉ.कृष्णदेव उपाध्याय(साहित्य भवन, इलाहाबाद)
7. लोकजीवन और साहित्य-डॉ.रामविलास शर्मा (वनोद पुस्तक मंदिर, आगरा)
8. लोक-साहित्य और संस्कृति-दिनेश्वर प्रसाद (जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
9. हरियाणा प्रदेश का लोक-साहित्य-डॉ.यशंकरलाल यादव
10. लोक-साहित्य:सिद्धांत और प्रयोग-डॉ.श्रीराम शर्मा
11. गंगाघाटी के गीत:डॉ.हीरालाल तिवारी

M.A. DEGREE COURSE HINDI

3RD SEMESTER

Sr. No.	Name of Course	Total Marks Ext / Internal	Parsing Standard	Total Teaching Hours	Weekly Teaching Hours	Credits
1	PAPER -11 भाषा -विज्ञान Core Course-7	70+30=100	28+12=40	15 Weeks × 4 = 60 Hrs	4 Hrs	04
2	PAPER -12 हिंदी साहित्य का इतिहास Core Course-8	70+30=100	28+12=40	15 Weeks × 4 = 60 Hrs	4 Hrs	04
3	PAPER -13 भारतीय साहित्य Core Course-9	70+30=100	28+12=40	15 Weeks × 4 = 60 Hrs	4 Hrs	04
4	PAPER- 14 आधुनिक गद्य साहित्य Elective Course-3	70+30=100	28+12=40	15 Weeks × 4 = 60 Hrs	4 Hrs	04
5	PAPER- 14 हिंदी उपन्यास Elective Course-3	70+30=100	28+12=40	15 Weeks × 4 = 60 Hrs	4 Hrs	04

6	PAPER- 15 लोक-साहित्य Multi Disciplinary Course-3	70+30=100	28+12=40	15 Weeks × 4 = 60 Hrs	4 Hrs	04
7	Self Studies, Seminar, Assignments & Tutorials Self Study Course-3	-	-	15 Weeks × 4 = 60 Hrs	4 Hrs	02
8					Total Credits	22

Model Of Time-Table

Session	1	2	3	4	5
Monday	Class -room teaching of five course in each			Each Day 5 th Hour can	
Tuesday	Semester.			be used for	
Wednes	Four Hours for each course per week			seminar/presentation	
Thursday	Total teaching hours per week=20			ect.	
Friday					
Saturday	Self Study Course				

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत

एम.ए. हिंदी

सेमेस्टर-4

(जून- 2012 -13 एवम् 2013 -14 के शैक्षिक वर्षों के लिए)

भाग – २

प्रस्तावना- साहित्य के गंभीर अध्ययन के लिए भाषिक व्यवस्था का ज्ञान अनिवार्य है। भाषा-वैज्ञानिक आधार पर हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकास-क्रम, भौगोलिक विस्तार, भाषिक-स्वरूप, विविध रूपता तथा हिंदी में कम्प्यूटर सुविधाओं की जानकारी एवम् देवनागरी लिपि के विकास, वैशिष्ट्य और मानकीकरण का विवरण हिंदी के छात्रों के लिए अत्यंत उपयोगी है।

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

ईकाई-1 हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएँ-वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएँ, मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ-पालि, प्राकृत-शौरसेनी, अर्धमागधी, मागधी अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ, आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएँ और उनका वर्गीकरण।

ईकाई-2 हिंदी की उपभाषाएँ

हिंदी का भौगोलिक विस्तार-हिंदी की उपभाषाएँ, पश्चिमी हिंदी, पूर्वी हिंदी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियाँ. खड़ीबोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएँ।

ईकाई-3 हिंदी का भाषिक स्वरूप

1. हिंदी की स्वनिम व्यवस्था, खंड्य, खंड्येतर. हिंदी शब्द रचना- उपसर्ग, प्रत्यय,समास. रूपरचना- लिंग, वचन और कारक- व्यवस्था के संदर्भ में हिंदी के संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रियारूप. हिंदी वाक्य-रचना- पदक्रम और अन्विति।
2. हिंदी के विविध रूप-संपर्क-भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा के रूप में हिंदी, माध्यम-भाषा, संचार-भाषा, हिंदी की सांविधानिक स्थिति।

ईकाई-4 हिंदी कम्प्यूटीकरण और देवनागरी लिपि

1. हिंदी में कम्प्यूटर सुविधाएँ- आंकडा-संसाधन और शब्द-संसाधन, वर्तनी-शोधक, मशीनी अनुवाद, हिंदी भाषा-शिक्षण।
2. देवनागरी लिपि-विशेषताएँ और मानकीकरण।

अंक विभाजन:

3 आलोचनात्मक प्रश्न- ईकाई -1, 2 और 4 से, एक-एक (52 अंक)

1 प्रश्न टिप्पणी का- ईकाई -3 से (दो टिप्पणियाँ) (18 अंक)

संदर्भ पुस्तकें-

1. हिंदी भाषा का उद्गम और विकास-डॉ.उदयनारायण तिवारी (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
2. हिंदी भाषा का इतिहास-डॉ.भोलानाथ तिवारी (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)

3. हिंदी भाषा और नागरी लिपि-डॉ.भोलानाथ तिवारी
4. भारतीय आर्यभाषा और हिंदी-सुनीतिकुमार चाटुज्या (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
5. कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग-विजयकुमार मल्होत्रा
6. कंप्यूटर और हिंदी-डॉ.हरिमोहन
7. राजभाषा हिंदी-डॉ.कैलाशचंद्र भाटिया (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
8. राजभाषा का स्वरूप-कैलाशचंद्र भाटिया (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
9. आर्य और द्रविड भाषा-परिवारों का संबंध-डॉ.रामविलास शर्मा (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
10. हिंदी और उसकी उपभाषाओं का स्वरूप-अंबा प्रसाद सुमन
11. ग्रामीण हिंदी-डॉ.धीरेन्द्र वर्मा
12. पालि भाषा और साहित्य-इंद्रचंद्र शास्त्री
13. अपभ्रंश भाषा और व्याकरण-शिवसहाय पाठक

प्रश्नपत्र - 17 हिंदी साहित्य का इतिहास

Core Course-11

प्रस्तावना- बीसवीं शताब्दीके प्रारंभ से लेकर आज तक के हिंदी के विकास परिदृश्य के साथ उसकी सर्जनात्मकता के विविध रूपों, प्रवृत्तियों और भाषा-शैलियों का ज्ञान हिंदी साहित्य के इतिहास के द्वारा ही दिया जा सकता है। अतः हिंदी साहित्य के इतिहास का अध्ययन सर्वथा योग्य एवम् आवश्यक है।

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

ईकाई-1

1. आधुनिक काल की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक एवम् सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, सन् १८५७ ई. की राज-क्रांति और पुनर्जागरण।
2. भारतेन्दु-युग-प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।
3. द्विवेदी-युग-प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।

ईकाई-2

4. हिंदी स्वच्छंदतावादी चेतना का अग्रिम-विकास, छायावादी काव्य-प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।
5. उत्तर छायावादी काव्य की विविध प्रवृत्तियाँ-प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, नवगीत, समकालीन कविता.प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।

ईकाई-3

6. हिंदी गद्य की प्रमुख विधाओं (कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध, संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, रिपोर्टाज आदि) का विकास।
7. हिंदी आलोचना का उद्भव और विकास।

ईकाई-4

8. दक्खिनी हिंदी साहित्य का संक्षिप्त परिचय।
9. उर्दू साहित्य का संक्षिप्त परिचय।
10. हिंदीतर क्षेत्रों तथा देशांतर में हिंदी भाषा और साहित्य।

अंक विभाजन:

3 आलोचनात्मक प्रश्न- ईकाई-1,2 और 3 से एक-एक (52 अंक)

1 प्रश्न टिप्पणी का- ईकाई-1,2 और 3 से एक और ईकाई-4 से एक (दो टिप्पणियाँ) (18 अंक)

संदर्भ पुस्तकें-

1. हिंदी साहित्य का इतिहास-आचार्य रामचंद्र शुक्ल (नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी)
2. हिंदी साहित्य का इतिहास डॉ.नगेन्द्र (नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली)
3. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ-डॉ.नामवर सिंह (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
4. हिंदी साहित्य-उद्भव और विकास-डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
5. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास-2 डॉ.गणपतिचंद्र गुप्त (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
6. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास-डॉ.रामकुमार वर्मा (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
7. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ-डॉ.जयकिशन प्रसाद खंडेलवाल (विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा)
8. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास-डॉ.बच्चन सिंह (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
9. हिंदी साहित्य का इतिहास-डॉ.लक्ष्मीसागर वाण्येय (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
10. दक्खिनी हिंदी -भाषा और साहित्य-डॉ.वी.पी.मुहम्मद
11. हिंदी का गद्य-साहित्य-डॉ. रामचंद्र तिवारी
12. हिंदी गद्य का विकास-डॉ.प्रसाद
13. मोरिशस में हिंदी साहित्य का उद्भव और विकास-डॉ.श्यामधर तिवारी
14. दक्खिनी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास-डॉ.इकबाल अहमद (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
15. उर्दू साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास-प्रो.एहतेशाम हुसैन (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

प्रश्नपत्र -18 भारतीय साहित्य

Core Course-12

प्रस्तावना- भारतीय भाषाओं में हिंदी सर्वोपरि है। इसलिए हिंदी साहित्याध्ययन को अधिक गंभीर बनाना जरूरी है। भारतीय साहित्य की रूप-रचना के लिए हिंदी का भारतीय संदर्भ सर्वथा प्रासंगिक है। इस दृष्टि से छात्रों के लिए भारतीय भाषाओं के साहित्य का ज्ञान अनिवार्य है। इससे उनके ज्ञान एवम् सांस्कृतिक दृष्टि में अभिवृद्धि होगी।

1. मछेला जीव - पन्नालाल पटेल (जीवी-साहित्य अकादमी)
2. घासीराम कोतवाल-विजय तेंदुलकर (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

ईकाई-1 1. तुलनात्मक साहित्य: सामान्य परिचय।

ईकाई-2 2. गुजराती उपन्यास साहित्य में मुनशी का स्थान।

3. भारतीय साहित्य में राधा-कृष्ण का चित्रण।

ईकाई-3 मळेला जीव (जीवी) पन्नलाल पटेल (गुजराती उपन्यास)

पन्नलाल पटेल-साहित्यिक परिचय।

‘मळेला जीव’: एक आँचलिक उपन्यास।

‘मळेला जीव’ खेती और प्रीति का उर्मिकाव्य

‘मळेला जीव’ विफल प्रेम की ट्रेजिक कथा

‘मळेला जीव’ उपन्यास का प्रारंभ और अंत

‘मळेला जीव’: कानजी और जीवी तथा अन्य पात्र, पात्रों की मनःस्थिति का चित्रण।

‘मळेला जीव’: शीर्षक, लोकगीत-कथा का सुंदर संयोजन।

ईकाई-4 घासीराम कोतवाल-विजय तेंदुलकर

नाटककार विजय तेंदुलकर का सामान्य परिचय।

‘घासीराम कोतवाल’ का प्रतिपाद्य।

‘घासीराम कोतवाल’ में लोक-नाट्य परंपरा का प्रयोग

‘घासीराम कोतवाल’ के प्रमुख चरित्र

‘घासीराम कोतवाल’ में चित्रित तत्कालीन सामाजिक एवम् राजनीतिक स्थिति।

‘घासीराम कोतवाल’ की रंगमंचीयता

‘घासीराम कोतवाल’: तात्विक विश्लेषण।

अंक विभाजन:

3 आलोचनात्मक प्रश्न- ईकाई-1-2 से एक और 3 और 4 से एक-एक (52 अंक)

1 प्रश्न टिप्पणी का- ईकाई- 3 और 4 से –(दोनों ईकाईयों से एक-एक) (18 अंक)

संदर्भ पुस्तकें-

1. भारतीय उपन्यास की अवधारणा और रघुवीर चौधरी का सृजन-संपा.आलोक गुप्त (पाश्च प्रकाशन, अहमदाबाद)
2. गुजराती नवलकथा-रघुवीर चौधरी एवम् राधेश्याम शर्मा (गुजरात ग्रंथ निर्माण बोर्ड, गांधीनगर)
3. गुजराती नवलकथायां पात्र-निरूपण-रमेश दवे
4. तुलनात्मक अध्ययन: स्वरूप और समस्याएँ-राजमल बोरा (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
5. तुलनात्मक अध्ययन: भारतीय भाषाएँ और साहित्य-राजमल बोरा (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
6. तुलनात्मक साहित्य-एन.ई.विश्वनाथ अय्यर (प्रभात प्रकाशन, दिल्ली)

प्रस्तावना- आधुनिक काल में गद्य साहित्य के विविध रूपों का विकास इस बात का साक्षी है कि प्रौढ मन की पूर्ण अभिव्यक्ति गद्य ही में संभव है। निबंध, नाटक, उपन्यास, कहानी तथा अन्य विविध विधाओं के रूप में गद्य साहित्य का विकास तेजी से हुआ है। मनुष्य को उसकी प्रकृति, परिवेश, परिस्थिति तथा चिंतन की विकास-प्रक्रिया के साथ प्रामाणिक रूप में गद्य के माध्यम से ही जाना जा सकता है। अतः इसका अध्ययन अनिवार्य है।

1. अल्मा कबूतरी-मैत्रेयी पुष्पा (प्रकाशक-राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
 2. कुटज-आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी (प्रकाशक-लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
- अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-**

ईकाई-1 स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यास: परिवेश और प्रवृत्तियाँ।

आँचलिक उपन्यास: उद्भव और विकास तथा विशेषताएँ।

समकालीन हिंदी उपन्यास और नारी-विमर्श।

ईकाई-2 हिंदी निबंध: उद्भव और विकास।

द्विवेदीजी का निबंध साहित्य तथा वर्गीकरण।

ईकाई-3 अल्मा कबूतरी

मैत्रेयी पुष्पा: साहित्यिक परिचय।

‘अल्मा कबूतरी’: कथ्य-योजना।

‘अल्मा कबूतरी’: केन्द्रीय विषय।

‘अल्मा कबूतरी’ की अल्मा, कदम बाई और भूरी बाई।

आँचलिकता और ‘अल्मा कबूतरी’।

‘अल्मा कबूतरी’ में नारी संहिता के प्रति आधुनिक स्त्री का विद्रोह।

‘अल्मा कबूतरी’: कथा-शिल्प और भाषा।

ईकाई-4 अशोक के फूल

‘कुटज’ के आधार पर द्विवेदी जी के निबंधों की विशेषताएँ।

ललित निबंध के रूप में किसी एक निबंध विश्लेषण।

किसी निर्धारित निबंध के प्रतिपाद्य पर केन्द्रित प्रश्न।

द्विवेदीजी की निबंध-शैली: 'कुटज' के आधार पर।

अंक विभाजन:

3 आलोचनात्मक प्रश्न-ईकाई-1 -2 से एक, ईकाई-3 और 4 से एक-एक से (52 अंक)

1 प्रश्न टिप्पणी व संसंदर्भ व्याख्या का (हरेक पुस्तक से एक-एक) ईकाई 3 और 4 पर आधारित (18 अंक)

संदर्भ पुस्तकें-

1. हिंदी के आँचलिक उपन्यास-संपा.डॉ.रामदरश मिश्र (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
2. दूसरी परंपरा की खोज-डॉ.नामवर सिंह (राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)
3. हिंदी के प्रतिनिधि निबंधकार-डॉ.द्वारिका प्रसाद सक्सेना (विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा)
4. हिंदी उपन्यास-एक अंतर्गता-डॉ.रामदरश मिश्र (राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)
5. व्योमकेश दरवेश-विश्वनाथ त्रिपाठी (राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)

अथवा

प्रश्नपत्र - 19 हिंदी उपन्यास

Elective Course-04

प्रस्तावना- हिंदी गद्य विधाओं में उपन्यास सबसे अधिक विकसित व लोकप्रिय है। आज तो उसने शास्त्र का रूप धारण कर लिया है। अतः इस विधा का गहन अध्ययन अनिवार्य है।

1. वे दिन-निर्मल वर्मा (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
2. डूब-वीरेन्द्र जैन (वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

ईकाई-1 स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यास: विकास रेखा।

ईकाई-2 स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यास: प्रकार।

आधुनिकता-बोध और स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यास -व्यक्ति-केन्द्री उपन्यासों के संदर्भ में।

ईकाई-3 डूब-वीरेन्द्र जैन

वीरेन्द्र जैन: सामान्य परिचय।

'डूब': कथानक-योजना।

'डूब': एक आँचलिक उपन्यास के रूप में।

डूब: विस्थापन के पहले की समस्या का चित्रण।

'डूब': पात्र, संवाद, वातावरण, भाषा, उद्देश्य और शीर्षक।

'डूब' का शैली-विधान।

ईकाई-4 वे दिन-निर्मल वर्मा (राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)

निर्मल वर्मा: परिचय

'वे दिन': में अकेलेपन का वैभव

'वे दिन': हिंदी उपन्यास का एक नया मोड़

'वे दिन' का प्रतिपाद्य-मूल्यहास, अजनबीपन और युद्ध की भयंकरता।

'वे दिन': पात्र-योजना।

'वे दिन': वातावरण, भाषा-शैली और शीर्षक-योजना।

अंक विभाजन:

3 आलोचनात्मक प्रश्न-ईकाई-1-2 से एक, ईकाई-3 और 4 से एक-एक से (52 अंक)

1 प्रश्न टिप्पणी व संसंदर्भ व्याख्या का (हरेक पुस्तक से एक-एक) ईकाई 3 और 4 पर आधारित (18 अंक)

संदर्भ पुस्तकें-

1. आज का हिंदी उपन्यास-डॉ.इंद्रनाथ मदान (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
2. हिंदी उपन्यास-एक अंतर्गत-डॉ.रामदरश मिश्र (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
3. हिंदी उपन्यास-डॉ.सुषमा धवन (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
4. हिंदी उपन्यास की प्रवृत्तियाँ-डॉ.शशिभूषण सिंहल (विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा)
5. हिंदी उपन्यास: उपलब्धियाँ-डॉ.लक्ष्मीसागर वाष्णेय (राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली)
6. आधुनिकता और हिंदी उपन्यास-डॉ.इंद्रनाथ मदान (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
7. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास-डॉ.गणपतिचंद्र गुप्त (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

8. स्वतंत्रता परवर्ती हिंदी उपन्यास-डॉ.प्रेमकुमार (विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा)
 9. द्वितीय महायुद्धोत्तर हिंदी साहित्य का इतिहास-डॉ.लक्ष्मीसागर वाष्णेय
 10. कहानीकार निर्मल वर्मा और मधुरायःतुलनात्मक अध्ययन-डॉ.मधुकर पाडवी (ज्ञान प्रकाशन, कानपुर)
-

प्रश्नपत्र - 20 पत्र कारिता प्र शिक्ष ण

Multi Disciplinary Course-04

पत्रकारिता आज जीवन का अभिन्न अंग बन गई है। अतः इसका अध्ययन आज की अनिवार्यता बन गई है।

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

ईकाई-1 विश्व पत्रकारिता का उदय।

भारत में पत्रकारिता का प्रारंभ।

ईकाई-2 समाचारपत्रों के विभिन्न स्तंभों की याचना।

दृश्य-सामग्री (कार्टून, रेखाचित्र, गैफिक्स) की व्यवस्था और फोटो पत्रकारिता।

समाचार के विभिन्न स्रोत।

संवाददाता की अर्हता, श्रेणी एवम् कार्य-पद्धति।

पत्रकारिता से संबंधित लेखन-संपादकीय, साक्षात्कार, खोजी समाचार, अनुवर्तन (फॉलोअप)

आदि की प्रविधि।

ईकाई-3 इलैक्ट्रॉनिक मीडिया की पत्रकारिता-रेडियो, टी.वी., वीडियो, केबल, मल्टी मीडिया और

इंटरनेट की पत्रकारिता।

प्रिंट पत्रकारिता और मुद्रणकला, प्रूफ शोधन, ले आउट तथा पृष्ठ सज्जा।

पत्रकारिता का प्रबंधन-प्रशासनिक व्यवस्था, बिक्री तथा वितरण व्यवस्था।

ईकाई-4 मुक्त प्रेस की अवधारणा।

लोक-संपर्क तथा विज्ञापन।

प्रसारभारती तथा सूचना प्रौद्योगिकी।

प्रजातांत्रिक व्यवस्था में चतुर्थ स्तंभ के रूप में पत्रकारिता का दायित्व।

अंक विभाजन-

3 आलोचनात्मक प्रश्न – ईकाई-1,2 और 3 से एक-एक (52 अंक)

1 प्रश्न टिप्पणियों का – ईकाई1-2-3 से एक और ईकाई-4 से एक (दो टिप्पणियाँ) (18 अंक)

संदर्भ-पुस्तकें-

- 1.हिंदी पत्रकारिता का बृहद् इतिहास-अर्जुन तिवारी (वाणी प्रकाशन)
2. हिंदी पत्रकारिता:स्वरूप और संदर्भ-विनोद गोदरे(वाणी प्रकाशन)
3. इलैक्ट्रॉनिक मीडिया-पी.के.आर्य (प्रभात प्रकाशन,नई दिल्ली)
4. फीचर लेखन:स्वरूप और शिल्प-डॉ.मनोहर प्रभाकर(राधाकृष्ण प्रकाशन)
5. समाचार संपादन-कमल दीक्षित, महेश दर्पण (राधाकृष्ण प्रकाशन)
6. मीडिया-लेखन-डॉ.चंद्रप्रकाश मिश्र (संजय प्रकाशन, दिल्ली)
7. दूरदर्शन की भूमिका-सुधीश पचौरी
8. जनसंचार-विविध आयाम-ब्रजमोहन गुप्त
9. मीडिया और साहित्य-सुधीश पचौरी
10. रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता-डॉ.हरिमोहन
11. पत्रकारिता:विविध विधाएँ-डॉ.राजकुमारी रानी (जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
12. पत्रकारिता में अनुवाद की समस्याएँ-डॉ.भोलानाथ तिवारी
13. संपादन कला एवम् प्रूफ पठन-डॉ.हरिमोहन
14. आधुनिक विज्ञापन और जन संपर्क-डॉ.तारेश भाटिया
15. ब्रेक के बाद-सुधीश पचौरी
16. पत्रकारिता: मिशन से मीडिया तक-अखिलेश मिश्र (राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)
17. समाचार पत्र प्रबंधन-डॉ.गुलाब कोठारी (राधाकृष्ण प्रकाशन)
18. हिंदी पत्रकारिता का इतिहास-जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी (प्रभात प्रकाशन,नई दिल्ली)
19. भारतीय इलैक्ट्रॉनिक मीडिया-देवव्रत सिंह (प्रभात प्रकाशन,नई दिल्ली)
- 20.जनसंपर्क प्रबंधन-श्रीमती कुमुद शर्मा (प्रभात प्रकाशन,नई दिल्ली)
21. उत्तर आधुनिक मीडिया तकनीक-हर्षदेव (वाणी प्रकाशन)

M.A. DEGREE COURSE HINDI

4TH SEMESTER

Sr. No.	Name of Course	Total Marks Ext / Internal	Parsing Standard	Total Teaching Hours	Weekly Teaching Hours	Credits
1	PAPER -16 हिंदी भाषा Core Course-10	70+30=100	28+12=40	15 Weeks × 4 = 60 Hrs	4 Hrs	04
2	PAPER -17 हिंदी साहित्य का इतिहास Core Course-11	70+30=100	28+12=40	15 Weeks × 4 = 60 Hrs	4 Hrs	04
3	PAPER -18 भारतीय साहित्य Core Course-12	70+30=100	28+12=40	15 Weeks × 4 = 60 Hrs	4 Hrs	04
4	PAPER- 19 आधुनिक गद्य साहित्य Elective Course-4	70+30=100	28+12=40	15 Weeks × 4 = 60 Hrs	4 Hrs	04
5	PAPER- 19 हिंदी उपन्यास Elective Course-4	70+30=100	28+12=40	15 Weeks × 4 = 60 Hrs	4 Hrs	04
6	PAPER- 20 पत्रकारिता प्रशिक्षण Multi Disciplinary Course-4	70+30=100	28+12=40	15 Weeks × 4 = 60 Hrs	4 Hrs	04
7	Self Studies, Seminar, Assignments & Tutorials	-	-	15 Weeks × 4 = 60 Hrs	4 Hrs	02

	Self Study Course-4					
8					Total Credits	22

Model Of Time-Table

Session	1	2	3	4	5
Monday	Class -room teaching of five course in each				Each Day 5th Hour can
Tuesday	Semester.				be used for
Wednes	Four Hours for each course per week				seminar/presentation
Thursday	Total teaching hours per week=20				ect.
Friday					
Saturday	Self Study Course				